पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल से मिला विधि प्रशिक्षु विद्यार्थियों का दल

लखनऊः 26 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक से आज राजभवन में विधि के 28 प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने भेंट की। ज्यादातर विद्यार्थी एमेटी लाॅ कालेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय व लखनऊ विश्वविद्यालय से थे। राज्यपाल से भेंटवार्ता का कार्यक्रम उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने प्रशिक्षु विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय लोकतंत्र के तीन स्तम्भ विधायिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका हैं। आपको भविष्य में न्यायपालिका से जुड़कर न्यायालय में वादी, प्रतिवादी, न्यायाधीश अथवा अधिकारी के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। आपको अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता अर्जित कर संविधान के अंतर्गत न्याय के लिए कार्य करना है। उन्होंने कहा कि संविधान, विधि को परिभाषित करने में शब्दशः उसी भाव व आत्मा का पालन होना चाहिए जो संविधान में निहित है।

श्री नाईक ने कहा कि राजभवन संविधान में एक महत्वपूर्ण संस्था है। राज्य में संविधान के अनुरूप काम हो इसे देखने की जिम्मेदारी राज्यपाल की होती है। राज्यपाल का दायित्व संविधान के अनुरूप ही कार्य करना होता है। उन्होंने 25-26 जून 1975 के आपातकाल के बारे में भी चर्चा की। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास के चार मंत्र बताते हुए कहा कि सफल भविष्य के लिये सदैव प्रसन्नचित रह कर मुस्कराते रहे। दूसरे के अच्छे गुण की प्रशंसा करें तथा अच्छे गुणों को आत्मसात करने की कोशिश करें। दूसरों को छोटा न दिखाये और हर काम को और बेहतर ढंग से करने का प्रयास करें। राज्यपाल ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिये।